

व अधिनियम, 1956 की धारा 128 में प्रावधान है कि काश्तकारों के मध्य विवादों का निस्तारण धारा 111 में विहित प्रक्रिया से किया जावे। अतः हम प्रार्थना-पत्र, प्रार्थी स्वीकार करना विधिसंगत समझते हैं।

--: आदेश :-

अतः उपर्युक्त विवेचन के आलोक में निष्कर्षतः प्रार्थना-पत्र प्रार्थी अंतर्गत धारा 128, राजस्थान भू राजस्व अधिनियम, 1956 भलीभांती साबित होने एवं सारवान से स्वीकार किया जाता है। तहसीलदार, जैतारण को निर्देश दिए जाते हैं कि ग्राम जैतारण, तहसील-जैतारण, जिला-ब्यावर में स्थित प्रार्थी की आराजी खसरा नंबर 111/488 रकबा 0.2698 हैक्टेयर किस्म बारानी दोयम एवं अप्रार्थी की आराजी खसरा संख्या 488/1032 रकबा 0.1619 हैक्टेयर किस्म बारानी दोयम के खातेदारान मध्य राजस्थान भू राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 111 में विहित प्रक्रिया का अनुपालन करते हुए सीमाज्ञान कर सीमा विवाद का निस्तारण करें, प्रार्थीगण के हर्जे खर्चे उक्त खसरा संख्याओं की आराजी के मध्य सीमा-विभाजक रोपित करावें। उभय पक्षकारान को पाबंद किया जाता है कि वक्त कार्यवाही मौके पर उपस्थित रहें। तहसीलदार, जैतारण को पालनार्थ तहरीर जारी हो। पत्रावली इसी कदर निर्णित होकर संख्या से एक कम होकर, दाखिल दफ्तर हो।

उपखण्ड अधिकारी एवं पदेन
भू-अभिलेख अधिकारी, जैतारण
जैतारण (ब्यावर)

सहायक न्यायाधीश
न्यायिक आग
दिनांक 18/11/2024 को सर-ए-इजलास सुनाया गया।

उपखण्ड अधिकारी एवं पदेन
भू-अभिलेख अधिकारी, जैतारण
जैतारण (ब्यावर)